संपादकीय

नज़ीर बनेगा फैसला

पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने गैंगरेप पीड़िता के परिवार को राहत देने हेतु क्षतिपूर्ति के लिए अपराधियों की संपत्ति बेचने का निर्देश दिया है। अदालत ने न्याय की नजीर बनने वाला ऐसा फैसला दिया है, जिससे अपराधियों में सख्त संदेश जायेगा ?और वे ऐसा घृणित कार्य करने से पहले कई बार सोचेंगे। यह भी कि ऐसे अपराधियों के लिये सजा और सख्त होगी। साथ ही पीड़ित पक्ष को आर्थिक क्षतिपूर्ति के जरिये किसी हद तक राहत देने में मदद मिलेगी। दरअसल, यह निर्देश पंजाब-हरियाणा उच्च न्यायालय ने अत्यंत ही घृणित अपराध के लिए कठोर दंडस्वरूप प्रतिपादित किया है। यह आदेश एक ऐसे मामले में सुनवाई के दौरान दिया गया, जिसमें अपराधियों को मृत्युदंड मिल चुका है। परंतु उनका अपराध इतना घृणित है कि उसकी भरपाई सिर्फ उनके मृत्युदंड से ही नहीं हो सकती। अतएव अपराधी की संपत्ति बेचकर पीड़ित परिवार के कष्ट की भरपाई करने की कोशिश की गई। यह निर्णय 2015 में रोहतक में हुए एक सामूहिक बलात्कार मामले में दिया गया है, जिसमें 7 लोगों ने एक 27 वर्षीय मानसिक रूप से विक्षिप्त लड़की का बलात्कार करके हत्या कर दी थी। यह कृत्य सभी अपराधियों ने मिलकर किया था, अतः सजा भी सबको ही दी जाएगी। उम्मीद की जानी चाहिए कि अदालत के इस निर्णय से समाज में नारी के सम्मान से खिलवाड़ करने वालों में कठोर संदेश जाएगा। निश्चित तौर पर अदालत के ऐसे सख्त फैसले से ऐसा माहौल बनेगा, जिसमें महिलाओं के प्रति किये जा रहे अत्याचारों पर लगाम लगे। अपराधियों में संदेश जायेगा कि अब दंड के रूप में सिर्फ दैहिक सजा ही नहीं बल्कि आर्थिक दंड भी अपराधी को भुगतना पड़ेगा। जरूरत इस बात की भी है कि महिलाओं के प्रति होने वाले अपराधों के मामले में तुरंत वैज्ञानिक तरीके से जांच की जाये और तुरंत फैसला भी सामने आये। इससे जहां पीड़ित पक्ष को न्याय मिल सकेगा, वहीं अपराधियों को सख्त दंड।

लोकसभा चुनाव से पहले किसानों को मिलेगी 2,000 की दूसरी किस्त

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री किसान योजना के तहत दो करोड़ से अधिक किसानों को लोकसभा चुनाव से पहले 2,000 रुपये की दो किस्तें मिलेंगी। चुनाव आयोग ने इस योजना में भुगतान करने की सरकार को अनुमति दी है। आयोग ने कहा है कि सरकार उन लाभार्थियों के लिए योजनाएं जारी रख सकती है, जिनकी पहचान आचार संहिता लागू होने से पहले की गई थी। ईटी ने इससे पहले रिपोर्ट दी थी कि सरकार ने प्रधानमंत्री-किसान योजना के बारे में चुनाव आयोग से राय मांगी है।

सरकार ने पहली किस्त के तौर पर करीब 2.75 करोड़ किसानों को भुगतान किया था। इन किसानों को 1 अप्रैल को बकाया दूसरी किस्त मिलेगी। इसके साथ ही 2.21 करोड़ अन्य किसानों को दो किस्तें दी जाएंगी। इन किसानों की पहचान लोकसभा चुनाव की तिथियों की घोषणा से पहले की गई थी, लेकिन चुनाव आचार संहित लागू होने के कारण उन्हें भुगतान नहीं किया गया था।

प्रधानमंत्री-किसान के सीईओ विवेक अग्रवाल ने ईटी को बताया कि सरकार उन किसानों को दूसरी किस्त ट्रांसफर करेगी जिन्हें पहली किस्त दी गई थी। उन्होंने कहा, इसके साथ ही हम आचार संहिता लागू होने से पहले पोर्टल पर अपलोड किए गए लगभग 4.76 करोड़ किसानों में से बाकी के किसानों को पहली किस्त भी ट्रांसफर करेंगे।

कृषि विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, जिन किसानों के नाम 10 मार्च तक पोर्टल में एनरोल किए गए हैं उन्हें अप्रैल में 2,000 रुपये प्रत्येक की दोनों किस्तें मिलने की संभावना है। सरकार ने अभी तक इस योजना के तहत करीब 2.75 करोड़ किसानों को लगभग 5,500 करोड़ रुपये ट्रांसफर किए हैं। इनमें से 65 पर्सेंट से अधिक किसान बीजेपी की सरकार वाले राज्यों से हैं।

देश के छोटे और मझोले किसानों में से लगभग 20 पर्सेंट उत्तर प्रदेश में हैं। राज्य में इस योजना के देश में सबसे अधिक 1.02 करोड़ लाभार्थी हैं। इसके बाद आंध्र प्रदेश (33 लाख), गुजरात (26.63 लाख), तमिलनाडु (17.67 लाख), तेलंगाना (17.62 लाख) और महाराष्ट्र (15.12 लाख) हैं। कांग्रेस की सरकार वाले राज्यों में मध्य प्रदेश, राजस्थान, कर्नाटक और राजस्थान से इस योजना के तहत लाभार्थियों की संख्या बहुत कम या शून्य है। पंजाब ने इसके लिए 9.56 लाख किसानों की पहचान की है। छत्तीसगढ़ में यह संख्या 88,448 है।

6,000 सालाना

पश्चिम बंगाल ने भी इस योजना के लिए लाभार्थियों की पहचान नहीं की है। राजस्थान में लगभग 55 लाख छोटे और हाशिए पर मौजूद किसान हैं और इनमें से राज्य सरकार ने 1.27 लाख किसानों के नाम योजना के लिए भेजे हैं। प्रधानमंत्री-किसान योजना की घोषणा इस वर्ष के अंतरिम बजट में की गई थी। इसके तहत 2 हेक्टेयर तक जमीन रखने वाले किसानों को एक वर्ष में 6,000 रुपये तीन समान किस्तों में देने का वादा किया गया है।

पिछले पांच साल में घर सात प्रतिशत महंगे हुए, बिक्री 28 प्रतिशत घटी : रिपोर्ट

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश के सात प्रमुख शहरों में पिछले पांच साल के दौरान घरों के दाम में सात प्रतिशत का मामूली इजाफा हुआ है, जबकि इस दौरान इनकी मांग 28 प्रतिशत घटी है। इसी तरह घरों की आपूर्ति में इस दौरान 64 प्रतिशत की गिरावट आई है। ब्रोकरेज कंपनी एनारॉक की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है।

मौजूदा सरकार के पांच साल के कार्यकाल के दौरान रीयल एस्टेट क्षेत्र के प्रदर्शन के विश्लेषण के आधार पर एनारॉक के संस्थापक एवं चेयरमैन अनुज पुरी ने कहा कि इस दौरान क्षेत्र में कई सुधार किए गए और भारतीय रीयल एस्टेट क्षेत्र की छवि सुधारने को कई कदम उठाए गए।

उन्होंने कहा कि नोटबंदी, नया रीयल एस्टेट कानून रेरा और माल एवं सेवा कर (जीएसटी) से शुरुआत में कुछ दिक्कतें हुईं लेकिन दीर्घावधि में इनसे लाभ हुआ।

आवास क्षेत्र के परिचालन प्रदर्शन के बारे में पुरी ने कहा कि प्राथमिक बाजारो में मूल्य करेक्शन के बजाय 'टाइम करेक्शन' अधिक देखने को मिला। पिछले पांच साल के दौरान सात प्रमुख शहरों में घरों के दाम औसतन सात प्रतिशत बढ़े। उन्होंने कहा कि यदि मुद्रास्फीति को शामिल किया जाए तो वास्तव में घरों के दाम कम हुए हैं। ये सात शहर हैं...दिल्ली-एनसीआर, मुंबई महानगर क्षेत्र, चेन्नई, कोलकाता, बेंगलुरु, हैदराबाद और पुणे।

इन पांच साल में नई आवासीय इकाइयों की आपूर्ति 2014 के 5.45 लाख इकाई से 64 प्रतिशत घटकर 2018 में 1.95 लाख इकाई रह गई।

जेट एयरवेज में छटेंगे संकट के बादल

लोन को हरी झंडी, इस्तीफा देंगे गोयल

नई दिल्ली (आरएनएस)। जेट एयरवेज पर छाए संकट के बादल आनेवाले दिनों में कुछ हद तक छंट सकते हैं। एयरलाइंस के चेयरमैन नरेश गोयल और उनकी पत्नी अनिता गोयल सोमवार को बोर्ड की सदस्यता से इस्तीफा दे सकते हैं। दूसरी तरफ जेट एयरवेज को आपातकालीन फंड मिलने का रास्ता भी दिख रहा है। इसमें पंजाब नैशनल बैंक और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया से 25 साल पुरानी इस एयरलाइंस को प्राथमिकता पर फंड दिया जाएगा।

नरेश गोयल के हटने के बाद जेट के ऋणदाता संघ के सदस्य उनके 51 प्रतिशत हिस्सेदारी को एयरलाइंस में मिला सकते हैं। जिसके बाद आनेवाले हफ्तों में नए खरीददार की तलाश शुरू की जाएगी। नरेश के बाद सीईओ विनय दुबे जेट एयरवेज को संकट से बाहर निकालने की पूरी कोशिश करेंगे। ऋणदाता संघ द्वारा प्राथमिकता पर फंड मिलने से जेट एयरवेज को मदद मिलेगी। अब जबतक कंपनी को बचाने का कोई नया प्लान नहीं बन जाता तबतक यह चलती रह सकेगी।

एसबीआई शुरुआत से अबतक जेट एयरवेज को आपातकाल फंड देने के खिलाफ रहा है। बैंक इस समस्या का सही समाधान चाहता था लेकिन अब वह फंड देने को तैयार है। लेकिन अब चुपचाप इसलिए मान गया होगा क्योंकि अगर जेट के खिलाफ दिवालिया प्रक्रिया शुरू हुई तो बैंक को ज्यादा कुछ नहीं मिलेगा। उसके हिस्सा सिर्फ ब्रैंड का नाम और कुछ रूट्स आएंगे।

वरुण बेवरेजेज को पेप्सिको इंडिया की फ्रेंचाइजी के लिये मिली प्रतिस्पर्धा आयोग की मंजूरी

नई दिल्ली (आरएनएस)। वरुण बेवरेजेज लिमिटेड (वीबीएल) ने सोमवार को कहा कि उसे दक्षिणी एवं पश्चिमी भारत के लिये पेप्सिको इंडिया का फ्रेंचाइजी अधिकार खरीदने के लिये प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) की मंजूरी मिल गयी है। कंपनी ने शेयर बाजार से कहा कि आयोग ने 22 मार्च को हुई बैठक में इस प्रस्ताव पर विचार किया।

स्टॉक बढ़ने पर कंपनियों ने एयर-कंडीशनर, फ्रिज के दाम 20 प्रतिशत घटाए

कोलकाता (आरएनएस)। कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियों ने कम बिक्री वाले प्रॉडक्ट्स की कीमतें इस महीने 20 पर्सेंट तक घटाई हैं। इंडस्ट्री के एग्जिक्यूटिव्स का कहना है कि इसका कारण डिमांड कम होने से इनवेंटरी जमा होना है।

दिवाली के बाद से बिक्री में तेजी नहीं आई है। इसके अलावा गर्मी के मौसम में देरी से अभी तक रेफ्रिजरेटर और एयर-कंडीशनर जैसे अप्लायंसेज की बिक्री भी नहीं बढ़ी है। एक रिपोर्ट में बताया गया है कि सैमसंग, एलजी, पैनासोनिक, व्हर्लपूल, हिटाची, डायकिन, वोल्टास और कैरियर जैसी कंपनियों ने अक्टूबर की तुलना में इस महीने प्राइसेज 20 पर्सेंट तक कम किए हैं।

कच्चा स्टील का उत्पादन इस साल फरवरी में 4.3 प्रतिशत बढ़ा

नईदिल्ली (आरएनएस)। देश में कच्चे इस्पात का उत्पादन इस साल फरवरी में पिछले वर्ष के इसी माह के मुकाबले 4.3 प्रतिशत बढ़कर 89.1 लाख टन रहा। इस्पात मंत्रालय के अधीन आने वाली 'ज्वाइंट प्लांट कमेटी' की रिपोर्ट के मुताबिक घरेलू कच्चा इस्पात उत्पादन फरवरी 2018 में 85.4 लाख टन था। रिपोर्ट के अनुसार, ''कच्चा इस्पात उत्पादन फरवरी 2019 में 89.14 लाख टन रहा जो इससे पूर्व वर्ष के इसी महीने के मुकाबले 4.3 प्रतिशत अधिक है। हालांकि इस साल जनवरी के मुकाबले फरवरी में उत्पादन 2.9 प्रतिशत कम है।'' सार्वजनिक क्षेत्र की भारतीय इस्पात प्राधिकरण, राष्ट्रीय इस्पात निगम लि. के साथ टाटा स्टील, एस्सार स्टील, जेएसडब्ल्यू स्टील तथा जिंदल स्टील एंड पावर लि. जैसी निजी क्षेत्र की कंपनियों का उत्पादन 54 लाख टन रहा। वहीं शेष 35 लाख उत्पादन अन्य उत्पादकों ने किया। इस साल फरवरी में हॉट मेटल का उत्पादन 12.1 प्रतिशत बढ़कर 60.9 लाख टन रहा जो इससे पूर्व वर्ष के इसी महीने के मुकाबले 4.4 प्रतिशत कम है। पिग आयरन (कच्चा लोहा) का उत्पादन फरवरी 2019 में 16.9 प्रतिशत बढ़कर 5.26 लाख टन रहा जो एक साल पहले इसी महीने में 4.50 लाख टन था।

चिक्कारंगप्पा संयुक्त 20वें, शुभंकर संयुक्त 30वें स्थान पर

कुआलालंपुर (आरएनएस)। शुभंकर शर्मा मेबैंक चैंपियनशिप में अपने खिताब की रक्षा करने में नाकाम रहे लेकिन अंतिम दौर में दो अंडर 70 के स्कोर के साथ संयुक्त 30वें स्थान पर रहे। इस प्रदर्शन से नयी दिल्ली में गुरुवार से शुरू हो रहे इंडिया ओपन से पहले शुभंकर का मनोबल बढ़ेगा। उनका कुल स्कोर पांच अंडर 283 रहा। एस चिकारंगप्पा ने अंतिम दौर में तीन अंडर 69 के स्कोर से कुल सात अंडर 281 के स्कोर से संयुक्त 22वां स्थान हासिल किया।

सिंधू, श्रीलंका की नजरें इंडिया ओपन खिताब पर

नईदिल्ली (आरएनएस)। पूर्व चैंपियन पीवी सिंधू और किदांबी श्रीकांत फार्म में उतार चढ़ाव से उबरते हुए 350000 डालर इनामी इंडिया ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में एक बार फिर खिताब जीतने के इरादे से उतरेंगे। पेट में तकलीफ के कारण साइना नेहवाल के देश के इस शीर्ष बैडमिंटन टूर्नामेंट से हटने के बाद मंगलवार से शुरू हो रहे इस टूर्नामेंट में भारत की उम्मीदों का दारोमदार सिंधू और श्रीकांत पर होगा। पिछले साल दिसंबर में विश्व टूर फाइनल्स का खिताब जीतने वाली ओलंपिक रजत पदक विजेता सिंधू को चीन की शीर्ष वरीय और गत आल इंग्लैंड चैंपियन चेन यूफेई के मेडिकल कारणों से हटने के बाद महिला एकल खिताब जीतने का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। जापान की खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी का भी सिंधू को फायदा मिलने की उम्मीद है। सिंधू ने नए सत्र में इंडोनेशिया मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई लेकिन प्रतिष्ठित आल इंग्लैंड के पहले दौर में ही बाहर हो गई। वह हालांकि 2017 में खिताब जीतने के बाद पिछले साल भी इंडिया ओपन के फाइनल में पहुंचने में सफल रही थी और इसी प्रदर्शन से प्रेरणा लेने की कोशिश करेंगी। सिंधू अपने अभियान की शुरुआत हमवतन मुग्धा आग्रे के खिलाफ करेंगी और क्वार्टर फाइनल में उनकी भिड़ंत आठवीं वरीय डेनमार्क की मिया ब्लिकफेल्ट से हो सकती है।

आज का राशिफल

मेष:- आपको आज सामाजिक और सार्वजनिक क्षेत्र में प्रसिद्धि मिलेगी। परिवार एवं दांपत्य जीवन में सुख-संतोष का अनुभव करेंगे। रोमांस की पराकाष्ठा का अनुभव होगा।

वृषभः- आज वाणी और व्यवहार पर संयम रखें। मित्रों, सेहीजनों के साथ आमोद-प्रमोद और प्रवास-पर्यटन का अवसर प्राप्त होगा। मौज-शौक और मनोरंजन के पीछे खर्च हो सकता है। तबीयत का ध्यान रखें।

मिथुनः- आज के दिन सर्वत्र लाभ ही लाभ है। पारिवारिक सुख-शांति बनी रहेगी। पत्नी के पीछे खर्च हो सकता है। अविवाहित लोगों के विवाह की संभावना है। व्यापार एवं नौकरी में आय बढ़ेगी। घर में शुभ-प्रसंगों का आयोजन होगा।

कर्कः- आज स्वस्थता का अभाव रहेगा। छाती में दर्द या अन्य किसी विकार से परेशानी का अनुभव हो सकता है। परिवार में सदस्यों के साथ उग्र वाद-विवाद हो सकता है।

सिंहः- आज तन-मन से स्वस्थ और प्रफुल्लित रहेंगे। पड़ोसी और भाई-बंधुओं के साथ के संबंध सौहार्दपूर्ण रहेंगे। निर्धारित कार्य पूरे होंगे। छोटा प्रवास होगा। भाग्य वृद्धि के लिए अवसर सामने आएगा।

कन्याः- आज का दिन मिश्रित फलदायी होगा। नकारात्मक विचारों से दूर रहें। पारिवारिक सदस्यों के साथ गलतफहमी या मनमुटाव हो सकता है। अनावश्यक खर्च हो सकता है। विद्यार्थियों का पढ़ाई में मन नहीं लगेगा।

तुलाः- आज अच्छी तरह आर्थिक आयोजन पूरा कर सकेंगे। आज आपकी कलात्मक और सृजनात्मक शक्ति श्रेष्ठतम रहेगी। शारीरिक और मानसिक रूप से तंदुरुस्त रहेंगे। दृढ़ विचार और आत्मविश्वास से कार्य पूरे कर सकेंगे।

वृश्चिकः- आज आपके विदेश में बसनेवाले सेहीजन या मित्रों की तरफ से शुभ समाचार मिलने की संभावना है। आमोद-प्रमोद की प्रवृत्तियों में पैसे खर्च होंगे। दांपत्य जीवन में जीवनसाथी के साथ निकटता के पल व्यतीत कर सकेंगे।

धनुः- प्रेम का सुखद अनुभव प्राप्त करने का सौभाग्य प्राप्त होगा। आर्थिक, सामाजिक और परिजनों दृष्टि से आज लाभ का दिन है। गृहस्थ जीवन में आनंद छाया रहेगा।

मकरः- व्यवसाय के क्षेत्र में धन, मान एवं प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नौकरी में आपका परिश्रम रंग लाएगा। घर, परिवार और संतान के मामले में आनंद और संतोष की भावना अनुभव करेंगे। व्यावसायिक कार्य के संबंध में दौड़ धूप बढ़ेगी।

कुंभः- आज आप अपने आपको अस्वस्थ महसूस कर सकते हैं, परंतु मानसिक रूप से स्वस्थ होंगे। काम करने में उत्साह का अभाव रहेगा।

मीनः- आकस्मिक धन लाभ का योग है। व्यापारीवर्ग के पीछे रुके हुए पैसे मिलेंगे। आज आपको शारीरिक और मानसिक रूप से अधिक परिश्रम करना पड़ेगा। स्वास्थ्य के मामले में ध्यान रखें।

घर पर बनाएं स्वादिष्ट राइस पालक चाट

बचे हुए चावल और पालक के पत्तों से तैयार करें जायकेदार चाट जो आएगा हर किसी को पसंद। तो जानते हैं इसकी क्विक रेसिपी।

सामग्री :

10 पालक के पत्ते, डु कप बेसन, 2 टेबलस्पून चावल का आटा, द टीस्पून अजवाइन, द टेबलस्पून हल्दी पाउडर, डु टीस्पून लाल मिर्च पाउडर, डु टीस्पून धनिया पाउडर, नमक स्वादानुसार, 1/3 कप पानी, तेल आवश्यकतानुसार

चाट की सामग्री

कुछ अनार के दाने, थोड़ा सा चाट मसाला, 1 कप दही, जीरा पाउडर, थोड़ी सी सोंठ या मीठी चटनी

विधि :

सबसे पहले एक बोल में बेसन, चावल का आटा, अजवाइन, नमक, हल्दी, लाल मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर और पानी डालकर अच्छी तरह गाढ़ा घोल तैयार करें। पालक के पत्ते को अच्छी तरह साफ कर व धोकर कपड़े से पोंछ लें। कड़ाही में तेल डालकर गर्म करें। पालक के पत्ते को घोल में अच्छी तरह डुबोएं और सीधा कड़ाही में डाल दें। प्लेट में एब्जॉर्बेंट पेपर पर डीप फ्राइड पालक को निकालें। पालक के पत्ते पर चाट की सारी सामग्री को एक-एक कर डालें। इसे तुरंत सर्व करें।

शब्द सामर्थ्य-15

बाएं से दाएं

1. चौड़ी और सपाट जमीन, रणभूमि 3. स्वरग्राम, संगीत के सात स्वरों का समूह 6. धूल का कण, किसी वस्तु का सूक्ष्मकण, धूल 7. हिम्मत, सामर्थ्य 8. अभ्यर्थना, रिसेप्शन, यथा अवसर पर पूछे जाने वाला मंगल कुशल 9. आपस का करार, निबटारा 10. वरदान, दुल्हा 12. भोग, ऐश्वर्य 13. कीमत, मूल्य 14. एक वाद्ययंत्र जिसे सपेरे बजाते हैं 16. समता, बराबरी 18. अश्लील, बेहुदा, अभद्र, घटिया 19. युक्ति, उपाय, ढंग 20. रिक्त, अपूर्ण।

ऊपर से नीचे

1. दोस्ती, मित्रता 2. अच्छी शिक्षा, नेक सलाह 4. बचाव, हिफाजत 5. मीठापन, मधुर होने का भाव 7. समुद्र 8. आत्मनिर्भर, जो दूसरे पर आश्रित न हो 9. रसवाला, रसदार 11. मां का बच्चों के प्रति प्रेम 13. खैरात, देने की क्रिया 15. दृष्टि, निगाह 16. वरिष्ठ, बुजुर्ग, चतुर 17. पराजय, हार।

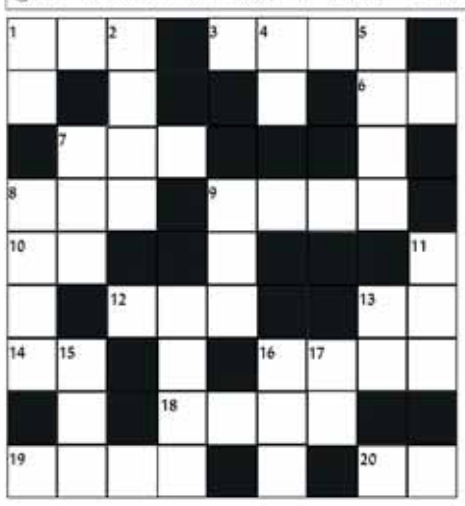

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 14 का हल

ला	लू	प्र	सा	द	या	द	व	
प		ति			र	क्ष	क	
र	ह	मा	न					आ
वा			मि	थु	न		दा	स
ह	वा	ला	त		सी	ता		पा
	न				ब	क	वा	स
औ	र	त		म		त		
ला		बे	च	ना		व	च	न
द	ह	ला		ना	ग	र		दी

सू-दोकू-15

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक रख सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.14 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6